

**चरचराना** अ.क्रि. (अनु.) 1. चर-चर शब्द के साथ टूटना या जलना 2. तनाव के कारण दर्द होना, चर-चर शब्द करते हुए कोई चीज गिराना या तोड़ना।

**चरचराहट** स्त्री. (देश.) 1. चरचराने की क्रिया या भाव 2. चर-चर शब्द के साथ किसी चीज के टूटने या फटने का शब्द।

**चरचा** स्त्री. (तद्.) दे. चर्चा।

**चरचारी** वि. (देश.) 1. चरचराने वाला 2. निंदक, शिकायत करने वाला।

**चरजना** अ.क्रि. (तद्.) 1. बहकावा या भुलावा देना 2. अनुमान करना, अंदाज लगाना।

**चरट** पुं. (तत्.) खंजन पक्षी।

**चरण** पुं. (तत्.) 1. पग, पैर, पाँव, कदम **मुहा.** चरण छूना- दंडवत् प्रणाम करना; चरण देना- पैर रखना; चरण पड़ना- आगमन करना; चरण लेना- पैर छूकर प्रणाम करना 2. बड़ों का सान्निध्य, बड़ों की समीपता, बड़ों का संग 3. किसी छंद, श्लोक या पद्य आदि का एक पद, दल 4. किसी पदार्थ का चतुर्थांश 5. मूल, जड़ 6. गोत्र 7. क्रम 8. आचार 9. विचरण करने का स्थान, घूमने की जगह 10. सूर्य की किरण 11. अनुष्ठान 12. गमन, जाना 13. भक्षण, चरने का काम 14. नदी का वह भाग जो तटवर्ती पर्वत, गुफा आदि तक चला गया हो 15. वेद की कोई शाखा 16. खंभा, स्तंभ 17. किसी संप्रदाय का विहित कर्म 18. आधार, सहारा।

**चरण कमल** पुं. (तत्.) कमल के समान सुंदर पैर।

**चरणकरणानुयोग** पुं. (तत्.) जैन साहित्य में ऐसा ग्रंथ जिसमें किसी के चरित्र का बहुत ही सूक्ष्म दृष्टि से विचार या व्याख्या की गई हो।

**चरणगत** वि. (तत्.) 1. चरणों पर गिरा हुआ 2. आश्रित, अधीन।

**चरणगुप्त** पुं. (तत्.) एक प्रकार का चित्र काव्य जिसके कई भेद होते हैं। इसमें कोष्ठक बनाकर

उनमें कविता के चरणों या पंक्तियों के अक्षर भरे जाते हैं, इनके पढ़ने के क्रम भिन्न होते हैं।

**चरण चार** पुं. (तत्.) गमन, गति, चलना।

**चरण चिह्न** पुं. (तत्.) 1. पैरों के तलुए की रेखा, पाँव की लकीरें 2. कीचड़, धूल या बालू आदि पर पड़ा पैर का निशान 3. पत्थर पर बनाया हुआ चरण के आकार का चिह्न जिसकी पूजा होती है।

**चरण दास** पुं. (तत्.) 1. चरणों की सेवा करने वाला दास या सेवक 2. दिल्ली के एक महात्मा साधु जो धूसर बनिए थे **विशे.** इनका जन्म संवत् 1760 में तथा शरीरांत संवत् 1838 वि. में हुआ था, इनके चलाए संप्रदाय के साधु चरणदासी साधु कहलाते हैं।

**चरणदासी** वि. (तत्.) चरणदास के संप्रदाय का, चरणदास का अनुयायी **स्त्री.** 1. स्त्री, पत्नी 2. जूता, पनही।

**चरणप** पुं. (तत्.) वृक्ष, पादप, पेड़।

**चरण-पादुका** स्त्री. (तत्.) 1. खड़ाऊँ, पाँवड़ी 2. पत्थर पर बना चरण के आकार का चिह्न, जिसकी पूजा होती है, चरण चिह्न।

**चरण-रज** पुं. (तत्.) पाँव की धूल जो बहुत पवित्र समझी जाती है।

**चरण सेवक** पुं. (तत्.) 1. वह जो पाँव दबा कर सेवा करे 2. भृत्य, नौकर।

**चरण सेवा** स्त्री. (तत्.) पैर दबाना, बड़ों की सेवा।

**चरणसेवी** पुं. (तत्.) 1. सेवक, नौकर 2. चरणों में रहने वाला।

**चरणाक्ष** पुं. (तत्.) अक्षपाद, गौतम ऋषि का एक नाम।

**चरणागति** स्त्री. (तत्.) पैरों पर गिरना।

**चरणाद्रि** पुं. (तत्.) चुनार नामक स्थान जो काशी और मिर्जापुर के बीच है।

**चरणानुग** वि. (तत्.) 1. (किसी के) पीछे चलने वाला, अनुगामी 2. शरणागत।